नवोदय विद्यालय अमरकंटक

पूर्व छात्र सम्मेलन 2016

दिनांक 26 दिसम्बर 2016

जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक में दिनांक 26 दिसम्बर 2016 को पूर्व छात्रों का सम्मेलन सफलता पूर्वक आयोजित किया गया। जिसमें वर्श 1995 से लेकर 2016 तक के सैकडो छात्र– छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहित होकर भाग लिया। वर्ष 2002 के छात्र धर्मेन्द्र तिवारी ने मंच संचालन करते हुये सभी उपस्थित लोगों को मुग्ध कर दिया। पूर्व छात्र समीर सिंह परिहार जोकि महिला एवं बाल विकास विभाग समन्वयक, शहडोल में पदस्थ है ने तुझसे नाराज नहीं जिंदगी हैरान हूँ में' गीत का समां बांधा। तत्पश्चात् डॉ कृष्ण प्रताप सिंह, चिकित्सक, राजेन्द्रग्राम ने नवोदय विद्यालय की अपने छात्रावास जीवन की यादे ताजा करते हुये यहॉ हुयी दोस्ती के महत्व को समझाया। जोहांसवर्ग, साउथ अफ्रिका में टेक महिन्द्रा में कार्यरत साफटवेयर इंजिनियर, हेमंत देवांगन ने अपनी सफलता का पूर्ण श्रेय नवोदय विद्यालय अमरकंटक को दिया। श्री कृष्ण कुमार, पीजीटी कामर्स, जो कि नवोदय विद्यालय अमरकंटक में ही पदस्थ है उन्होने अपने पूर्व शिक्षको का आभार व्यक्त करते हुए एक विद्यार्थी के पश्चात एक शिक्षक के रूप में अपने विचार व्यक्त किया। वर्ष 2002 बैच के वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर विजय मार्को ने बताया कि नवोदय के कारण ही वो एन आई टी भोपाल से मैकेनिकल इंजीनियर के टापर होने के बावजूद अपनी अंर्तरात्मा की आवाज पर आज नेशनल जियोग्राफिक चैनल में अपने फुटेज प्रसारित कर रहे है। कोटिल्य अकादमी, इंदौर चला रहे पूर्व छात्र मनीष अग्रवाल ने 'पंक्तियों के माध्यम से अपने ओजश्वी विचार प्रस्तुत किए। 'सूरज परछाई से हारा आओ दिल का दिया जलाये।

विद्यालय के छात्र चित्रकांत ने अत्यंत सराहनीय नृत्य की प्रस्तुति दी। उस समय छात्र एवं सभी भावुक हो उठे जब 2015 के छात्र मा सतीश पटेल, आयुशी सिंह एवं योगेश ने विद्यालय के जीवन को वृत्तचित्र के माध्यम से परदे पर उतारा। अन्य पूर्व छात्रों में से कोई वन रक्षा में संलग्न है तो कोई म.प्र. पुलिस में अपने सेवा देकर राश्ट्र की उन्नति में सहयोग कर रहा है। कोई आयुष चिकित्सक बनकर सेवाऍ कर रहा है तो कोई अनूपपुर के छोटे से ग्राम में नवोदय में सिखाये नियमों के साथ वहॉ के लोगों की चिकित्सा सेवायें दे रहा है। आई आई टी चैन्नई से आये पूर्व छात्र शिवकुमार सिंह ने कडे अनुशासन को अपनी सफलता का रहस्य बताया। 1998–2001 तक विज्ञान शिक्षक के रूप में कार्य करने वाले श्री बी.आर. देवांगन ने '' गिरता नही है गिरकर संभलना है जिंदगी'' गीत गाकर पुरानी यादों को ताजा किया तथा कहा कि अगले जन्म में वे कक्षा 6वीं के विद्यार्थी बनना चाहेगें। विद्यालय की संगीत शिक्षिका श्रीमती पूर्णिमा माटे ने रहे न रहे हम गाने की भानदार प्रस्तुति देकर नवोदय विद्यालय के शिक्षकों का उच्च स्तरीय संगीत शिक्षा का उदाहरण दिया।2013 के छात्र पारसमणी द्विवेदी ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए पीजीटी बायों डॉ ए.के. शुक्ला के शिक्षण को याद किया एवं उनके पद चिन्हों पर चलने की बात कही।

अंत में 2016 के छात्र उत्तम सिहं, सुरेन्द्र, शुभेन्द्र, हरीश, पंकज, राहुल एवं शांतनु ने विडियो के माध्यम से अपने साथियों का जीवंत संदेश प्रेषित किया। कार्यक्रम के समापन में प्राचार्य सुश्री कविता सिंह ने सभी को अभूतपूर्व आयोजन के लिए बधाईयॉ देते हुए सतत् प्रगति के आशीर्वचन दिये। एवं बताया कि 2002 बैच के छात्रों के अथक प्रयासों से ही हम एलूमनी मीट संपन्न करवा पाये है। इसी तारतम्य में उपप्राचार्य श्री मनोज कुमार ठाकुर ने आभार व्यक्त किया। समापन में 2002 के पूर्व छात्रों द्वारा सभी शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार के सदस्यों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया और आश्वासन दिया की भविष्य में भी यह आयोजन किया जाएगा।